

डॉ. सुरेश चौधरी ने कहा कि चिट्ठा और मेडिकल नशे का बढ़ता प्रचलन समाज और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि केवल कानून से ही नहीं, बल्कि जनजागरूकता और रोजगार के अवसर बढ़ाकर भी इस समस्या का

प्रभावी समाधान किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि “**नशा नहीं, रोजगार दो**” केवल एक नारा नहीं, बल्कि युवाओं के बेहतर भविष्य का संकल्प है। उनका मानना है कि जब युवाओं को रोजगार और सही मार्गदर्शन मिलेगा, तब वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रह सकेंगे।

डॉ. चौधरी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों, युवाओं और आम नागरिकों से पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता से ही नशामुक्त और जागरूक समाज का निर्माण संभव है।

आयोजकों का कहना है कि यह जन चेतना पदयात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं के भविष्य की रक्षा करना और समाज में नशे के खिलाफ व्यापक जनसमर्थन तैयार करना है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/राजेश चौधरी, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.